भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1419
जिसका उत्तर 01 अगस्त, 2023 को दिया गया

पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से क्षमता में वृद्धि

1419. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि 2017-22 के लिए पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से निर्धारित क्षमता वृद्धि का लक्ष्य जो 51516.14 मेगावाट था, पूरा नहीं हुआ है;

(ख) यदि हां, तो लक्ष्य से चूकने के क्या कारण हैं;

(ग) सरकार द्वारा 2017-22 से योजनागत और वास्तविक क्षमता वृद्धि के बीच अंतर को दूर करने और भविष्य की ऊर्जा क्षमता जरूरतों को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार की कोयले और ऊर्जा के अन्य गैर-नवीकरणीय स्रोतों पर निर्भरता कम करने के साथ-साथ इस लक्ष्य को प्राप्त करने की योजना है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) और (ख) : वर्ष 2017-22 तक की अवधि के लिए पारंपरिक स्रोतों से 51,561.15 मेगावाट की निर्धारित उत्पादन क्षमता अभिवृद्धि की तुलना में, दिनांक 31.03.2022 तक की स्थिति के अनुसार कुल 30,667.91 मेगावाट की क्षमता अभिवृद्धि प्राप्त की गई थी।

वर्ष 2017-22 तक की अवधि के दौरान निर्धारित ऊर्जा क्षमता अभिवृद्धि में गिरावट के विभिन्न कारण थे जिनमें कोविड-19 महामारी सर्वाधिक महत्वपूर्ण थी। महामारी के अलावा, अन्य प्रमुख कारण निम्नलिखित थे:

- भूमि अधिग्रहण एवं वन स्वीकृति प्राप्त होने में देरी
- स्थानीय मामलों/मुकदमों के कारण कार्य में व्यवधान
- उपस्कर विनिर्माताओं द्वारा आपूर्ति में देरी

- इस्पात मूल्यों में वृद्धि जिसके कारण स्थल पर सामग्री की उपलब्धता में देरी
- डिजाइन में परिवर्तन के कारण देरी
- मानसून तथा अप्रत्याशित वर्षा का प्रभाव
- संविदाकारों द्वारा अपर्याप्त मानवशक्ति की भर्ती

(ग) से (ङ) : विद्युत मंत्रालय तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) परियोजनाओं के आरंभ होने के लिए महत्वपूर्ण मामलों को चिह्नित करने और उनका समाधान करने के लिए, निरंतर स्थल दौरों और विकासकर्ताओं एवं अन्य हितधारकों के साथ बातचीत के माध्यम से निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करते हैं।

मई, 2023 (20वां विद्युत शक्ति सर्वेक्षण) में अधिसूचित राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी) के अनुसार, भावी ऊर्जा क्षमता आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निम्नलिखित अनुमान लगाए गए हैं:

क्षमता के प्रकार	**वर्ष 2026-2027** **अनुमानित व्यस्ततम मांग - 277 गीगावाट** **ऊर्जा आवश्यकता - 1907.8 बीयू**	**वर्ष 2031-2032** **अनुमानित व्यस्ततम मांग - 366.4 गीगावाट** **ऊर्जा आवश्यकता - 2473.8 बीयू**
	क्षमता (मेगावाट)	
पारंपरिक क्षमता	2,73,038	3,04,147
- कोयला	2,35,133	2,59,643
- गैस	24,824	24,824
- न्यूक्लियर	13,080	19,680
नवीकरणीय क्षमता	3,36,553	5,96,275
- बड़ी जल विद्युत	52,446	62,178
- सौर	1,85,566	3,64,566
- पवन	72,895	1,21,895
- लघु जल विद्युत	5,200	5,450
- बायोमास	13,000	15,500
- पम्प्ड भंडारण संयंत्र (पीएसपी)	7,446	26,686
बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस)	8,680/34,720 एमडब्ल्यूएच	47,244/2,36,220 एमडब्ल्यूएच

वर्ष 2026-27 के लिए कुल संस्थापित क्षमता में कोयला-आधारित क्षमता का हिस्सा 38.57% रहने की संभावना है जिसके वर्ष 2031-32 तक और अधिक कम होकर 28.83% होने की संभावना है। वर्ष 2026-27 के लिए कुल संस्थापित क्षमता में आरई आधारित क्षमता का हिस्सा 55.20% रहने की संभावना है जिसके वर्ष 2031-32 तक और अधिक बढ़कर 66.22% होने की संभावना है।

****